हिन्दी विशिष्ट

प्रस्तावना :–

वर्तमान के बदलते हुए परिवेश – राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक, तकनीकी शब्दावली, मीडिया और पत्र–पत्रिकाओं के वर्चस्व के कारण भाषिक पहुँच में क्रान्तिकारी परिवर्तन आ चुके हैं। हम मानक भाषा की पहचान खोते जा रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और साहित्यिक सोच से दूर भी हटते जा रहे हैं। अतः बच्चों को इन क्षेत्रों से परिचित कराने तथा इनके अनुरूप भाषा प्रयोग– (लिखित और मौखिक) –अनिवार्य हो गऐ हैं। इसके लिये **भाषा की ग्रहणशीलता और अभिव्यक्ति** को सशक्त बनाना होगा उनमें भाषिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास करने हेतु विशेष प्रयास करने होंगे, जिससे उनकी सोच में परिवर्तन के साथ **अभिवृत्ति** (सद्विचार) में बदलाव भी आएगा, जिससे बच्चों में आस्था, मानव–प्रेम, देश–प्रेम, सहृदयता और संवेदना का विकास होगा। हिन्दी भाषा के अध्ययन से उनमें सृजनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और विभिन्न प्रयुक्तियों के उपयोग की सोच विकसित होगी। भावों, विचारों के अनुसार उपयुक्त विधा का चयन करते हुए वे मौलिक रचना, कहानी, संवाद, गीत आदि लिखकर **सृजनशीलता को प्रोत्साहन** दे सकेंगे और राष्ट्र–जीवन से भावनात्मक रूप से जुड़ सकेंगे।

शिक्षण के उद्देश्य –

(1) भाषा की ग्रहणशीलता –

– शुद्ध, सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली भाषा में व्यक्त विचारों को सुनना और पढ़ना।

– विभिन्न भाषा शैलियों से परिचय।

– मानक भाषा से परिचय।

– प्रसंगानुकूल भाषा प्रयोग करने की क्षमता का विकास।

– साहित्य के माध्यम से भाषानुभूति और रसानुभूति का विस्तार।

– भाषिक पहचान, तुलना, विश्लेषण और संश्लेषण।

(2) अभिव्यक्ति –

– शुद्ध, सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली भाषा में सुनकर तथा पढ़कर अपने विचार अभिव्यक्त करना।

– साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप का ज्ञान तथा उसका यथा स्थान समुचित प्रयोग।

– साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता का विकास।

(3) अभिवृत्ति में परिवर्तन –

– साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से उनमें राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का विकास।

– साहित्य के माध्यम से सद्वृत्तियों – आस्था, प्रेम, देशप्रेम, मानव–प्रेम, सहृदयता, संवेदना का विकास।

– नाटक/एकांकी के माध्यम से जीवन की विभिन्न स्थितियों से परिचय कराना तथा तद्नुसार प्रेरणा देना।

– आँचलिक साहित्य और साहित्यकारों का परिचय एवं उसका महत्व समझना।

(4) सृजनशीलता को प्रोत्साहन –

– अपने भावों, विचारों की मौलिक अभिवृत्ति की क्षमता का विकास।

– भावानुकूल भाषा प्रयोग करने की क्षमता।

– कल्पना के माध्यम से विचारों को नया रूप देने की क्षमता का विकास।

– साहित्य के माध्यम से कविता, कहानी, संवाद, गीत आदि के मौलिक सृजन की प्रेरणा।

शिक्षण युक्तियाँ –

1 शिक्षण युक्तियों के प्रयोग से शिक्षण प्रभावी और रोचक बनता है।

2 शिक्षण युक्तियाँ भाषा को समझने एवं अभिव्यक्त करने में सहायक होती है।

3 शिक्षण युक्तियों के माध्यम से कक्षा का वातावरण आत्मीयता और सौहार्द्रता से पूर्ण बनता है।

4 युक्तियों के प्रयोग से विचारों को अच्छी तरह से अभिव्यक्त करने में सहायता मिलती है।

5 व्यंग्य चुटकुले, कहानी, दृष्टांत आदि से भाषा शिक्षण रोचक बनता है।

6. शिक्षक और छात्रों के बीच संवादात्मक स्थिति बनती है।

पाठ्य सामग्री –

कक्षा 9 वीं एवं 10 वीं में छात्रों को हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य के विकास की विभिन्न धाराओं का परिचय देते हुए, उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक स्वरूप का ज्ञान देना उपयुक्त होगा इसके साथ ही वर्तमान समय की वैज्ञानिक, तकनीकी जानकारी और संचार माध्यमों के विभिन्न रूपों का परिचय कराना भी आवश्यक है।

अतः पाठ्यपुस्तक में उक्त विषयों पर आधारित पाठ्य–सामग्री का समावेश किया जाना भी आवश्यक होगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, समृद्धि से छात्रों का परिचय हो सके, ऐसी जानकारी के अलावा म0प्र0 के साहित्यकारों की रचनाओं का समावेश पाठ्यपुस्तक में अधिक से अधिक किया जाना अपेक्षित है। हिन्दी विशिष्ट की पाठ्य पुस्तक में लगभग 18–20 पाठ रखे जाना प्रस्तावित है। आवश्यकतानुसार स्तर के अनुकूल इनमें परिवर्तन अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त सहायक वाचन के 10–12 पाठ रखे जाने का भी प्रावधान है।

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा 9वी

समय – 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

क्रम	विषय सामग्री	अंक		काल खण्ड
1.	**पद्य खण्ड–**			
	पद्य साहित्य का विकास	4		
	कवि परिचय, व्याख्या, सौन्दर्य बोध तथा	23	**27**	**40**
	भाव एवं विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न			
2.	**गद्य खण्ड–**			
	गद्य की विविध विधाएँ	4		
	लेखक परिचय, व्याख्या, गद्य पाठों पर आधारित	19	**23**	**35**
	विचार बोध एवं विषय बोध पर प्रश्न			
3.	**सहायक वाचन–**			
	संकलित विविध पाठों पर आधारित प्रश्न		**10**	**15**
4.	**भाषा बोध–**			
	उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्द, रूढ़, यौगिक, योग रूढ़, वर्तनी परिचय एवं सुधार, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, शब्द मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं अर्थ प्रयोग		**10**	**15**
5.	**काव्य बोध–**		**10**	**15**
	काव्य की परिभाषा एवं भेद – मुक्तक काव्य, प्रबंध काव्य			
	रस – परिभाषा, अंग, भेद, उदाहरण			
	अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा			
	छंद– परिभाषा, मात्रिक, वर्णिक , दोहा, चौपाई			
6.	**अपठित बोध** –		**05**	**10**
7.	**पत्र लेखन –**		**05**	**10**
8.	**निबंध लेखन –**		**10**	**20**
	पुनरावृति			**20**
	योग		**100**	**180**

निर्धारित पाठ्यपुस्तक – **"नवनीत"** (गद्य पद्य संकलन) सहायक वाचन समाहित

पद्य खण्ड–

पद्य साहित्य का विकास : आदिकाल (वीरगाथा काल) एवं भक्ति काल, सामान्य परिचय पर प्रश्न	**04**	
पद्य पाठों पर आधारित कवि का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय पर प्रश्न (रचनाएँ, काव्यगत विशेषताएँ)	**05**	
दो में से एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या	**05**	**27**
सौन्दर्य बोध पर आधारित प्रश्न	**07**	
भाव एवं विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न	**06**	

गद्य खण्ड–

गद्य की विविध विधाओं का सामान्य परिचय पर आधारित प्रश्न	**04**	
लेखक का संक्षिप्त परिचय पर प्रश्न (रचनाएँ, भाषा, शैली)	**05**	
दो में से एक गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या	**05**	**23**
गद्य पाठों पर आधारित विचार बोध पर प्रश्न	**05**	
विषय बोध पर प्रश्न	**04**	

सहायक वाचन– (पाठ्य पुस्तक में समाहित)

संकलित पाठों की विषय वस्तु पर प्रश्न **10**

भाषा बोध–

उपसर्ग / प्रत्यय पर आधारित प्रश्न	02	**10**
तत्सम, तद्भव, देशज, आगत, रूढ़, यौगिक, योगरूढ़, शब्द पर प्रश्न	02	
वर्तनी परिचय / वर्तनी सुधार पर प्रश्न	02	
पर्यायवाची / विलोम / अनेकार्थी पर प्रश्न	02	
मुहावरे / लोकोक्तियाँ – अर्थ एवं प्रयोग पर प्रश्न	02	

काव्य बोध–

काव्य की परिभाषा–भेद, मुक्तक काव्य, प्रबन्ध काव्य (खण्ड काव्य, महा काव्य) पर प्रश्न	04	**10**
रस – परिभाषा, अंग, भेद, उदाहरण पर आधारित प्रश्न	02	
अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा पर प्रश्न	02	
छंद– मात्रिक, वर्णिक, दोहा, चौपाई छंद पर प्रश्न	02	

अपठित बोध–

गद्यांश – शीर्षक, सारांश / प्रश्न
पद्यांश– शीर्षक, सारांश / प्रश्न
} पर प्रश्न **05**

पत्र लेखन–

पारिवारिक, विद्यालयीन, आवेदन पत्र, पर प्रश्न **05**

निबन्ध लेखन–

वर्णनात्मक, विवरणात्मक, एवं समसामयिक विषयों पर निबन्ध लेखन पर प्रश्न **10**

प्रायोजना कार्य–

1) क्षेत्रीय बोली–पहेलियाँ, चुटकुले, लोकगीत, लोक कथाओं का परिचय तथा खड़ी बोली में उनका अनुवाद।
2) दूरदर्शन / आकाशवाणी के कार्यक्रम पर प्रतिक्रियाएँ / विश्लेषण।
3) हिन्दी साहित्य का स्वतंत्र पठन / टिप्पणी एवं प्रेरणाएँ।
4) हस्त लिखित पत्रिका तैयार करना।
5) म.प्र. से प्रकाशित होने वाली हिन्दी भाषा की पत्र पत्रिकाओं की जानकारी।

टिप्पणी–

प्रायोजना कार्य से सम्बन्धित विषय वस्तु पर(अंक आवंटित न होने के कारण) परीक्षा में प्रश्न पूछे जाना अपेक्षित नहीं है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक – **"नवनीत"** (गद्य पद्य संकलन)
सहायक वाचन समाहित

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संकलित एवं निर्मित तथा मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित